खबर संक्षेप

पहला हिन्दू सम्मेलन आज झंडा बाजार में

सिहोरा। सनातन धर्म की गरिमा और सांस्कृतिक विरासत को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से सिहोरा खितौला में करीब आधा दर्जन से अधिक हिन्दू सम्मेलन विभिन्न बस्तियों में आयोजित किए जायेंगे। जिसमें हिन्दू धर्म की गौरवशाली विरासत,एकता और भविष्य की दिशा पर विचार किया जायेगा। इसमें सभी हिन्दू बंधुओं और भगिनियों से बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील की गई है। पहला हिन्दू सम्मेलन आज हरदौल बस्ती का जैन मंदिर झंडा बाजार में आयोजित किया गया है । इसके अलावा नीलकंठ बस्ती का जगमोहन पार्क,नरसिंह बस्ती का एस एस ए कालेज ग्राउंड में 18 जनवरी,केशव बस्ती का बी हाई स्कुल ग्रांउड 20 जनवरी,ज वालामुखी बस्ती का 22 जनवरी नेवीन कन्या शाला ग्रांउड में, केशव बस्ती बी हाई स्कुल ग्रांउड 20 जनवरी को नीलकंठ बस्ती उक्त सभी सम्मेलन दोपहर 2 बजे से आयोजित होगे। इसी तरह महाकाली बस्ती का हिन्दू सम्मेलन 31 जनवरी को कंकाली मंदिर में दोपहर 12 बजे से आयोजित होगा।

बच्चों को सिखाये प्रबंधन के गुण

सिहोरा। शासकीय यशोदा बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खितौला बाजार, के प्राथमिक विभाग के छात्र-छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य जे एल खांडे और शिक्षकों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर, सेवानिवृत्त शिक्षक जय प्रकाश तिवारी ने बच्चों को सामान के रखरखाव और प्रबंधन के महत्व पर विस्तार से चर्चा की और उन्हें इस संबंध में बहुमूल्य बातें समझाईं। तिवारी जी ने बच्चों को यह सिखाया कि अपने शैक्षणिक सामग्री और व्यक्तिगत सामान को कैसे व्यवस्थित रखा जाए ताकि वे लंबे समय तक सुरक्षित रहें और पढ़ाई के दौरान आसानी से मिल सकें। उन्होंने व्यवस्थापन कौशल के बुनियादी सिद्धांतों को सरल और रोचक तरीके से समझाया।

खितौला खम्परिया में कृषि रथ कार्यक्रम का आयोजन

सिहोरा। ग्राम पंचायत खितौला खम्परिया में कृषि रथ कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों शासकीय योजनाओं एवं विभागीय सुविधाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करना रहा। कार्यक्रम में वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जे.एस. राठौर, जनपद सदस्य सुरेश पटेल,कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री साक्षी तिवारी, सुमित पाटकर एवं सुश्री अदिति सिंह, कृषक मित्र पशुपालन विभाग के अधिकारीगण तथा सरपंच दिलीप विश्वकर्मा आदि उपस्थित थे। आयोजन में अधिकारियों द्वारा कृषि, पशुपालन, फसल उत्पादन, उन्नत बीज, संतुलित उर्वरक उपयोग, प्राकृतिक खेती तथा शासन की विभिन्न कृषक-हितैषी योजनाओं के संबंध में किसानों को विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई।

एसएसए कालेज में स्टार्टअप दिवस पर हुआ आयोजन

सिहोरा। शासकीय श्याम सुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्टार्टअप दिवस की अवसर पर स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा स्टार्टअप दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं एनजीओ के विषय में जानकारी दी गई जो विद्यार्थियों को स्टार्टअप प्रारंभ करने में मदद करते हैं । उद्यमिता पर आधारित हिंदी फिल्म गुरु का प्रदर्शन किया गया इसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने फिल्म का आनंद लिया । इसी प्रकार एक अन्य फिल्म हॉलीवुड फिल्म थे परसू आफ हैप्पीनेस भी विद्यार्थियों को दिखाई गई जिससे वे उद्यमिता के महत्व को समझ सके । समस्त कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर एम के श्रीवास्तव के निर्देशन में आयोजित किए गए।

हाईकोर्ट ने डीजीपी सहित अन्य अफसरों को जारी किए नोटिस

आदेश के बावजूद एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई?

हरिभूमि जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने पुलिस अधिकारियों से पूछा है कि पूर्व में जारी आदेश के बावजूद एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की गई। जस्टिस डीडी बंसल की एकलपीठ ने डीजीपी कैलाश मकवाना, पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय और ग्वारीघाट थाना के एसएचओ सुभाष चंद्र बघेल को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जबलपुर निवासी भूपिंदर सिंह रक्का की ओर से अधिवक्ता केके पांडेय, कौशलैश पांडेय एवं सिद्धार्थ पांडेय ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि याचिकाकर्ता ने 24 सितंबर 2025 को जमीन विवाद को लेकर संज्ञेय अपराधों से संबंधित शिकायत दर्ज कराई थी। हाईकोर्ट ने ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश शासन सहित सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के आलोक में कानून के अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। दरअसल, याचिकाकर्ता की जमीन पर कुछ लोग हस्तक्षेप कर रहे थे। आदेश के अनुपालन में थाना ग्वारीघाट द्वारा जांच कर रिपोर्ट तैयार की गई, जिसे पुलिस अधीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को भेजा गया। इसके बावजूद अब तक न तो एफआईआर दर्ज की गई और न ही कोई निर्णय याचिकाकर्ता को बताया गया। दलील दी गई कि न्यायालय के आदेश की जानबूझकर अवहेलना की जा रही है। इसलिए अवमानना याचिका दायर की गई।

जाली नोटों के सौदागर की जमानत याचिका दूसरी बार खारिज

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने जाली नोटों के सौदागर की दूसरी बार जमानत याचिका खारिज कर दी। दरअसल, आरोपी की ओर से कुछ देर दलीलें रखने के बाद जमानत आवेदन वापस लेने का निवेदन किया गया। जस्टिस संदीप एन भट्ट की एकलपीठ ने अर्जी वापस लेने के आधार पर उसे निरस्त कर दी। मंडला निवासी अजय नवेरिया की ओर से दलील दी गई कि वह बेगुनाह है और उसे झूठा फंसाया गया है। वहीं शासन की ओर से पैनल लॉयर हिमांशु तिवारी ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए कोर्ट को बताया कि आरोपी से 500 रुपए के 1800 नग के जाली नोट बरामद हुए थे। यानी करीब 9 लाख के नकली नोटों की बरामदगी हुई है। उन्होंने बताया कि इसके पहले भी आरोपी ने 27 सितंबर 2025 को जमानत अर्जी वापस ले ली थी।

देशी गोवंश और जैविक खेती पर दो दिवसीय कार्यशाला शुरु

जबलपुर। विश्व हिंदू परिषद, गौरक्षा विभाग महाकौशल प्रान्त और जेएनकेवी विश्व विद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में देशी गोवंश संरक्षण और जैविक खेती पर दो दिवसीय कार्यशाला आज प्रातः 11 बजे प्रारंभ हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय मंत्री सुनील मानसिंह ने किया। कार्यशाला में गुरु प्रसाद सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष गौ संवर्धन बोर्ड, ने कहा कि देशी गाय और पंचगव्य का उपयोग मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा के लिए आवश्यक है। उन्होंने युवा किसानों को देशी गोवंश पालन और जैविक खेती के लाभों से अवगत कराया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. पी. के. मिश्रा, केंद्रीय मंत्री लाल बहादुर सिंह और क्षेत्रीय गौरक्षा प्रमुख सोहन विश्वकर्मा ने भी संबोधन दिया। उन्होंने देशी गोबर, गोमूत्र और पंचगव्य से रोजगार सृजन, आयुर्वेदिक स्वास्थ्य और आर्थिक समृद्धि के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के द्वितीय सत्र में नागपुर से आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. नंदिनी भोजराज ने पंचगव्य और आयुर्वेदिक मसालों के स्वास्थ्य लाभों पर व्याख्यान दिया। कार्यशाला में कृषि वैज्ञानिक, पशु चिकित्सा एवं फार्मेसी छात्र, आयुर्वेद विशेषज्ञ और ट्रस्ट के प्रांताधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ में प्रस्तुत किया गया शिव विवाह, कार्तिक जन्म व तारकासुर वध प्रसंग

मझौली। विष्णु वाराह मंदिर प्रांगण, मझौली में आयोजित संगीतमय शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ के अंतर्गत आज की कथा में कथा वाचक पंडित गिरधारी शरण जी महाराज (श्री वृन्दावनधाम) ने शिव विवाह, भगवान कार्तिकेय के जन्म एवं तारकासुर वध की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि शिव

महापुराण की कथा सुनने व कहने से मनुष्य को जन्म-मरण के बंधन से मुक्ति मिलती है तथा घर-परिवार में सुख, शांति और सद्भाव बना रहता है। भगवान श्री विष्णु के वाराह अवतार की असीम कृपा से महिला मंडल मझौली द्वारा विगत कई वर्षों से प्रतिवर्ष महापुराण का आयोजन किया जा रहा है। इसी परंपरा के अंतर्गत इस वर्ष भी 12 जनवरी से 19 जनवरी तक शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया गया है। कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक किया जा रहा है। शिव महापुराण कथा में क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं।

पीएमश्री कन्या उमावि पाटन में ओलंपियाड परीक्षा का द्वितीय चरण संपन्न

पाटन। राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल के आदेशानुसार जनपद शिक्षा केंद्र पाटन के अंतर्गत पीएम श्री कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला पाटन में ओलंपियाड परीक्षा के द्वितीय चरण का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। परीक्षा कक्षा 2 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए विभिन्न विषयों में अलग-अलग शिफ्टों में आयोजित की गई, जिसमें विकासखंड के छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। परीक्षा का आयोजन

प्राचार्य श्रीमती वंदना वेद के मार्गदर्शन में बीआरसी सत्येंद्र कुरैशी, बीएसी विवेकानंद शर्मा, मनीष सोनी, नितिन तिवारी, रघुनाथ सिंह ठाकुर, अरविंद तिवारी, विश्राम से मेश्राम, राजेंद्र साहू, नन्हे भाई प्रधान सहित अन्य शिक्षकों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। परीक्षा में कक्षा 2 से 5 एवं 6 से 8 के लिए कुल 252 विद्यार्थियों का लक्ष्य निर्धारित था, जिसमें कक्षा 2 से 5 के 192 तथा कक्षा 6 से 8 के 208 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। परीक्षा केंद्र का निरीक्षण जिला परियोजना अधिकारी योगेश शर्मा द्वारा किया गया।

पनागर में कृषक कल्याण वर्ष 2026 का शुभारंभ

पनागर। कृषक कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत पनागर क्षेत्र में शुभारंभ कार्यक्रम का आयोजन इफको बाजार, पनागर में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक सुशील इंदु तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पंकज शर्मा सहित कृषि विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान शामिल हुए, जिन्हें शासन की विभिन्न कृषि योजनाओं, उन्नत बीजों के उपयोग, उर्वरक व कीटनाशकों के संतुलित प्रयोग तथा फसल उत्पादन बढ़ाने के उपायों की जानकारी दी गई।

अधिकारियों ने किसानों की समस्याएं सुनकर आवश्यक तकनीकी परामर्श भी प्रदान किया। इस दौरान आधुनिक कृषि तकनीक को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसानों के खेत में ड्रोन के माध्यम से कीटनाशक एवं जल में घुलनशील उर्वरकों के छिड़काव का प्रदर्शन किया गया। वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री पंकज शर्मा एवं कृषि विस्तार अधिकारी कुमारी कीर्ति अहिरवार ने ड्रोन तकनीक के लाभ बताते हुए कहा कि इससे कम समय में अधिक क्षेत्र में सुरक्षित व प्रभावी छिड़काव संभव है।

डॉ. अजय वाधवानी ने मुरारी बापूजी से की मुलाकात

जबलपुर। मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन के डॉ. अजय वाधवानी ने प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक मुरारी बापूजी से सौजन्य मुलाकात की। इस

अवसर पर डॉ. वाधवानी ने समाज में तेजी से बढ़ रहे वृद्धाश्रमों पर चिंता व्यक्त करते हुए अनुरोध किया कि वे अपनी कथाओं के माध्यम से बुजुर्गों के प्रति सम्मान और सेवा का संदेश फैलाएँ। डॉ. वाधवानी ने कहा कि माता-पिता की सेवा ही सच्ची पूजा है और यदि बच्चों में यह भावना जागृत होगी तो वृद्धाश्रमों की संख्या में कमी आएगी। कथावाचक मुरारी बापूजी ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए कहा कि वे अपनी आगामी कथाओं में पारिवारिक संस्कार, माता-पिता की सेवा और बुजुर्गों के सम्मान पर विशेष संदेश देंगे। इस पहल में डॉ. अशोक मेथवानी, एड. आशीष त्रिपाठी, एड. भावना निगम, डॉ. अभिषेक जैन भी उपस्थित रहे।

शैल्बी अस्पताल ने कलेक्ट्रेट कर्मचारियों के लिए लगाया निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

जबलपुर। गणतंत्र दिवस माह के अवसर पर शैल्बी अस्पताल, जबलपुर द्वारा कलेक्ट्रेट कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों का मोमेंटो भेंट कर सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कलेक्टर श्री राघवेन्द्र सिंह रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में संयुक्त कलेक्टर सुश्री नदीमा शिरी, अपर जिला दण्डाधिकारी श्री नाथूराम गोंड, नायब तहसीलदार श्री सरफराज अली एवं श्री राजा राम कोल उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत तुलसी पौधा भेंट कर किया गया। शैल्बी अस्पताल के **CAO** डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि समाज की सेवा में लगे अधिकारियों व कर्मचारियों की सेहत का ध्यान रखना भी समाज का दायित्व है। शिविर में लगभग 250 कर्मचारियों व परिजनों ने भाग लिया। हड्डी, मस्तिष्क, कैंसर, स्त्री, शिशु, पेट, मूत्र व छाती रोग के विशेषज्ञों द्वारा निःशुल्क परामर्श दिया गया।

मध्य प्रदेश पर्यटन निगम के अधिकारियों की मनमानी

पंचवटी में सड़क पर गड़े बोर्ड से यातायात बाधित

भेड़ाघाट। पंचवटी में मध्य प्रदेश पर्यटन निगम द्वारा मार्बल कैफे के बोर्ड रोड पर खड़े होने से यातायात बाधित होता है और हमेशा दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है यहां पर नौका बिहार हेतु भी लोगों का आवागमन लगा रहता हैं यहां पर फुटपाथ के बाद पर्यटन निगम द्वारा बोर्ड लगाए गए हैं जिससे मेट्रो बस और टर्म होने से हमेशा चकाजाम की स्थिति बनी रहती हैं मेट्रो बस या दूसरे वाहन आने से हमेशा खतरा बना रहता हैं नगर परिषद द्वारा भी यहां पर फैली अव्यवस्थाओं की तरह कोई देखता तक नहीं है जिससे पर्यटकों को असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा हैं रही सही कसर दुकानदारों ने जाम की स्थिति निर्मित हो जाती हैं नगर विकास का ढिंढोरा पीटने वाले जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को भेड़ाघाट क्षेत्र के विकास से कोई सरोकार नहीं है तभी तो भेड़ाघाट क्षेत्र की समस्याओं की तरफ किसी का ध्यान नहीं हैं यातायात की व्यवस्था हो या अतिक्रमण की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा हैं नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारियों को भेड़ाघाट क्षेत्र में फैली अव्यवस्थाओं से पर्यटकों को सुविधा उपलब्ध कराने में नाकाम साबित हो रहे हैं।

शीघ्र कार्रवाई की जाएगी

नगर परिषद द्वारा पहले टूरिज्म विभाग को नोटिस जारी किए गए हैं और अब फिर से बोर्ड हटाने की शीघ्र कार्रवाई की जाएगी।

विक्रांत सिंह झरिया
सी, एम, ओ, नगर परिषद भेड़ाघाट

यह कार्य अधिकारियों का है

सड़क किनारे लगे बोर्ड पहले से लगे हुए हैं नगर परिषद द्वारा कोई आपत्ति नहीं जताई गई यह कार्य अधिकारियों का है।

विकास जायसवाल
मैनेजर टूरिज्म निगम भेड़ाघाट

हल्दी, कुमकुम, सिंदूर नारी शक्ति के प्रतीक : वर्षा उसरेटे

जबलपुर। महावीर रेसिडेंस वेल्फेयर सोसाइटी की महिला समिति द्वारा प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी हल्दी, कुमकुम, सिंदूर का कार्यक्रम महावीर कॉलोनी हाथीताल स्थित महावीर गार्डन में भारतीय संस्कृति की परम्परानुसार हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर वर्षा उसरेटे ने हल्दी कुमकुम पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह भारतीय संस्कृति की एक महत्वपूर्ण परंपरा है जिसमें हल्दी, सिंदूर, कुमकुम का प्रयोग किया जाता है। यह नारी शक्ति की एकता का भी प्रतीक है। इस अवसर पर वर्षा उसरेटे, सुनीता सोनी, लकी गुप्ता, नीलू पांडे, स्वाती ठाकुर, सरस्वती सिंह, कशिश सावलानी, नीलम साहनी, सरिता गुप्ता, संगीता सिंह, आरती खराटे आदि महिलाओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

महापौर गुरुकुल से संवर रहा निगम स्कूल के विद्यार्थियों का भविष्य

जबलपुर। बोर्ड परीक्षाओं से पूर्व विद्यार्थियों का तनाव दूर करने और सफलता के गुर सिखाने के उद्देश्य से भंवरताल स्थित कल्चरल स्ट्रीट थियेटर हॉल में "परीक्षा मंथन" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने नगर निगम के पांचों विद्यालयों के छात्र-छात्राओं से संवाद कर उन्हें परीक्षा में सफल होने के मंत्र दिए। कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। महापौर श्री अन्नू ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा केवल मूल्यांकन है, डर या तनाव का कारण नहीं। उन्होंने छात्रों की शंकाओं का समाधान करते हुए कहा कि नियमित अभ्यास, लिखकर पढ़ने की आदत और सही समय प्रबंधन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि डर से भागने के बजाय उसका सामना करना ही सफलता की कुंजी है। इस अवसर पर 'महापौर गुरुकुल' की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला गया। बताया गया कि निगम स्कूलों के विद्यार्थियों को मैकलसुता इंस्टीट्यूट के माध्यम से निःशुल्क कोचिंग, स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब, योग-ध्यान, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियां तथा ग्रीष्मकालीन शिविर की सुविधाएं दी जा रही हैं। बोर्ड परीक्षाओं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों को हवाई यात्रा का अवसर भी प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम में अपर आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र पाण्डेय, डॉ. राकेश जैन, श्रीमती दीप्ति शर्मा, श्रीमती रागिनी गर्ग, महापौर गुरुकुल संयोजक जयदीप मिश्रा सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

बिलाबोंग तथा इकिगाई के सौजन्य से "मिलांज 2026" उत्सव मेला सम्पन्न

जबलपुर। बिलाबोंग विद्यालय और इकिगाई के संयुक्त प्रयास से आयोजित बहुमुखी प्रदर्शन एवं कौशल मेले "मिलांज 2026" का आयोजन बड़े हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। भव्य सजावट और आकर्षक स्टॉल्स ने दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंह (अन्नू) उपस्थित रहे और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। रोबोटिक्स फेस्ट और ए.आई. स्टॉल सबसे बड़े आकर्षण रहे, जिसमें विद्यार्थियों ने रोबोट संचालन के माध्यम से महाभारत का तीन मिनट में प्रस्तुतीकरण, भारत हेल्थ रोबोट, आई.ओ.टी बेस मौसम केंद्र, इंडस्ट्रियल रोबोट, एंटी ग्रेविटी ऑर्बिट आदि प्रदर्शित किए। मेले का उद्देश्य छात्रों में प्रतिभा, सहयोग और नवाचार की भावना को बढ़ावा देना है। लकी ड्रा, रैंप वाक, ट्रैम्पोलिन, स्लाइड, टैटू व वाक इन वाटर जैसे कार्यक्रमों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। खाने-पीने के स्टॉल्स में छोले कुलचे, पिज्जा, मोमोस, डोसा, सूप और फ्रेंच फ्राइज जैसी विविध व्यंजन परोसे गए। नृत्य प्रतियोगिता और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता ने अपनी अनूठी प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। इस भव्य आयोजन की सफलता में शाला संस्थापिका अर्पिता मालपानी, शाला सीईओ प्रदीप गंगाधरन, प्रधानाचार्य सायमा खान, इकिगाई सोनिया कोचर एवं परमवीर कौर सहित समस्त शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

Change of Name

I, Kala Devi Patel, W/o Army No. 10390993Y L/Nk. Sunil Kumar Patel, R/o Gram Rampur, Post-Dhabaiya, Dhabaiya, Rewa (MP.) 486114 do hereby solemnly affirm and state on oath as follow:-
a. That, I have changed my name from Kala Patel to Kala Devi Patel.
b. That, I am producing this affidavit for the purpose of evidence for my name.
c. That, both names Kala Patel & Kala Devi Patel pertains to one and the same person.
d. That, I shall at all times thereafter in all record in all proceeding dealing with transaction, private as well as under all occasion whatsoever be known as only Kala Devi Patel.
e. That, what is stated above is true and correct to best of my knowledge, information and belief nothing material has been concealed there-from.
Dt. 16/01/2026
Place: Jabalpur
Kala Devi Patel

आम सूचना

मै अपने पक्षकार श्री अमित दुबे पिता स्व. श्री राम शंकर दुबे के निर्देशानुसार आम जनता को यह सूचित कर रहा हूँ कि मेरे पक्षकार द्वारा मौजा लक्ष्मीपुर, नं.ब. 643, प.ह.नं. 4 रा.नि.मं. जबलपुर - 1, स्वामी विवेकानंद वार्ड नं. 21, तहसील जबलपुर नई आधारताल जिला जबलपुर में स्थित डायवर्टेड भूमि खसरा नं. 226 का हिस्सा नामातंरण पश्चात पटवारी खसरा नं. 226/1/32/1/1/1/1/1 का हिस्सा कुल प्लाट ऐरिया 2400 वर्गफुट को पंजीकृत विक्रय पत्र के द्वारा विक्रेता श्रीमती अनामिका शर्मा एवं अन्य से क्रय किया जा चुका है। यह कि उपरोक्त सम्पत्ति की लिंक रजिस्ट्री दिनांक 05/06/1967 दस्तावेज नं. 3240 की मूल प्रति विक्रेता श्रीमती अनामिका शर्मा एवं अन्य से दिनांक 05/01/2026 को रजिस्ट्री ऑफिस आने के पूर्व विजय नगर के पास कहीं खो गई है जिसकी सूचना श्रीमती अनामिका शर्मा एवं अन्य के द्वारा विजय नगर पुलिस थाना को दिनांक 05/01/2026 को प्रदान की जा चुकी है अत: जिस किसी व्यक्ति, संस्था इत्यादि को विक्रय पत्र दिनांक 05/06/1967 दस्तावेज नं. 3240 की मूल प्रति प्राप्त होती है तो मेरे कार्यालय मे जमा करने की कृपा करें।

मुकेश चौकसे, एडवोकेट
प्लॉट नं. 17/9, न्यू जगदम्बा कॉलोनी, अग्रसेन वार्ड जबलपुर
दिनांक: 17.01.2026 मो. 9425829444

गहोई सूर्य दिवस शोभायात्रा, सम्मान एवं पुरस्कार वितरण आज

जबलपुर। श्री गहोई वैश्य समाज पंचायत के तत्वाधान में गहोई सूर्य दिवस का मुख्य कार्यक्रम आज रविवार को आयोजित किया जा रहा है। इसकी शुरुआत प्रातः 9:30 बजे शोभायात्रा से होगी, जो तमरहाई चौक स्थित श्री गहोई वैश्य पंचायती भवन से प्रारंभ होकर गुड़हाई, कोतवाली, सराफा, कमानिया गेट, बड़ा फुहारा, लार्डगंज चौक होते हुए शहीद स्मारक प्रांगण (गेट नं. 1) पहुँचेगी। शोभायात्रा में भगवान सूर्य की झांकी, पारंपरिक ध्वज-पताकाएं, बैंड-बाजे के साथ समाज के अध्यक्ष, पदाधिकारी सहित सभी पूर्व अध्यक्ष एवं पंच समाज के वरिष्ठजन, मातृशक्ति, युवा, विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। प्रथम सत्र के मुख्य समारोह दोपहर 12:00 बजे स्थान शहीद स्मारक प्रांगण मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर के प्रशासनिक न्यायाधीश जस्टिस विवेक रूसिया व विशेष अतिथि अखिल भारतीय गहोई महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री दीपक सावला होंगे। इस अवसर पर दीप प्रज्वलन, सूर्य आरती एवं गणेश वंदना के पश्चात समाज के वरिष्ठजनों का हीरक सम्मान किया जाएगा।

द्वितीय सत्र में दोपहर 3:00 बजे से शहीद स्मारक प्रांगण में पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह होंगे वहीं विशेष अतिथि के रुप में विधायक गण लखन घनघोरिया व डॉ. अभिलाष पांडेय, उद्योगपति सौरभ बड़ेरिया एवं नितिन बरसैया उपस्थित रहेंगे कार्यक्रम में समाज की प्रतिभावान छात्र- छात्राओं को मनीषा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी आयोजित होंगी। श्री गहोई वैश्य समाज पंचायत, जबलपुर के अध्यक्ष इंजी. रामगोपाल ददरया, संयोजक विजय कुमार सुहाने पंचगण डॉ. अरुण सरावगी, डॉ. श्रीकृष्ण बिलैया, सुभाष चंद्र रावत इंजी. कमलकांत गुप्ता बहरे एड. अशोक पिपरसनिया, शंभु दयाल बड़ेरिया सहित पूर्व अध्यक्षो एवं महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मेघा बड़ोन्या, श्रीमती हर्षना तीतबिलासी नवयुवक अभिषेक बृजपुरिया अभिषेक गेड़ा ने स्वजातीय जनों से सपरिवार अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर गहोई दिवस 2026 के इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

नई भर्ती में संविदा को नियमित, आउट सोर्स को 50 प्रतिशत आरक्षण दे

- बिजली कार्मिकों, कंपनी केडर, पेंशनर्स की मांगों के निराकरण हेतु फेडरेशन हर स्तर पर सकारात्मक कार्य करेगा

-फेडरेशन के क्षेत्रीय सम्मेलन में सैकड़ों की संख्या में एकत्र हुए फेडरेशन के सदस्य

जबलपुर। मध्यप्रदेश विद्युत कर्मचारी संघ फेडरेशन के क्षेत्रीय सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए महामंत्री राकेश डी पी पाठक ने कहा कि फेडरेशन संविदा कर्मियों, आउट सोर्स कर्मचारियों, नियमित कर्मचारियों, कंपनी केडर कार्मिकों और सम्माननीय पेंशनर्स साथियों की समस्यायों के समाधान हेतु हर स्तर पर एकजुट होकर सकारात्मक प्रयास और कार्य करेगा। फेडरेशन द्वारा कैशलैस बीमा, फ्रिंज बेनीफिट, वेतन विसंगति, सेवा आयु एक समान,आदि विषयों पर जानकारी देते हुए फेडरेशन के महामंत्री पाठक ने कहा कि बिजली सेक्टर में लम्बे समय के बाद नवीन ओ एस में 51000 हजार से अधिक नियमित पदों का सृजन कर भर्ती हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है जो कि बिजली सेक्टर की सभी कंपनियों के लिए नया जीवन देना अर्थात पुनर्जीवन है। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने मुख्यमंत्री, ऊर्जा मंत्री, अतरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा और सभी प्रबंध निर्देशक से आग्रह किया है कि इन नई भर्तियों में सभी संविदा कर्मियों को बिना शर्त नियमित किया जाए और बिजली कंपनियों में 15 वर्षों से कार्यरत आउट सोर्स कर्मचारियों को 50 का आरक्षण दिया जाएं। राकेश डी पी पाठक ने कहा कि बिजली कंपनियों द्वारा कंपनी में कार्यरत कर्मचारियों और उनके परिवार जनों के एक बेहतरीन कैशलेश बीमा योजना प्रारंभ कर दी है। किंतु आज तक सेवा निवृत्त अर्थात पेंशनर्स के लिए योजना प्रारंभ नहीं की गई है, उनके लिए इतना विलंब क्यों जबकि सभी ने एक साथ आवेदन फार्म जमा किए थे। फेडरेशन ने बिजली प्रबंधन से मांग की है कि पेंशनर्स को भी शीघ्र लाभ दिया जाए।पाठक ने शासन से मांग की राज्य के कर्मचारियों और पेंशनर्स को केंद्र के समान महंगाई भत्ता, महंगाई राहत, परिवार पेंशन राहत दी जाएं। पाठक ने कंपनी कैडर के लाईन परिचारको की सेवा निवृत्त आयु 55 बर्ष की जगह सभी के समान 62 बर्ष शीघ्र करने की मांग की। विभिन्न श्रेणियों में व्याप्त वेतन विसंगति को भी शीघ्र दूर करने की मांग रखी। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए यूके पाठक ने फेडरेशन के विषय में दमदार तरीके से जानकारी देते हुए कहा कि हम सबको संगठन को मजबूत करने समुचित प्रयास करना चाहिए। में हर समय आप लोगों के साथ खड़ा हूं। विशिष्ट अतिथि आरएस परिहार ने फेडरेशन द्वारा किए गए कार्यों और गरिमामय इतिहास की जानकारी देते हुए कहा कि नियमित कर्मचारियों के समान पेंशनर्स को भी मेडिकल सुविधा प्रदान की जाएं। परिहार ने कहा कि हम सबको सभी को मिलकर एकजुट होकर फेडरेशन को मजबूत और क्रियाशील करना है। संगठन मंत्री दिनेश दुबे ने कहा पूरे प्रदेश में एकमात्र संगठन फेडरेशन ही है जो शुरू सबसे ज्यादा सदस्यों के साथ कमचारियों के हित के लिए सब कुछ दिलाने वाला संगठन रहा है। फेडरेशन ने हमेशा हर श्रेणी के कर्मचारियों और पेंशनर्स की समस्यायों के समाधान में अहम भूमिका निभाई है। आज भी फेडरेशन पूरी क्षमता के साथ प्रयास और कार्य कर रहा है। फेडरेशन ने कम समय में फिर हर श्रेणी के कर्मचारियों की मांग को प्रशासन के समझ तत्परता से रखा है और हर स्तर के कर्मचारियों को सफलता भी मिली है।अब हम सबको एकजुट होकर कार्य करना है। दुबे ने कहा कि आज इस क्षेत्रीय सम्मेलन से फेडरेशन को नयी ऊर्जा मिली है। अनूप वर्मा ने संविदा और पेंशनर्स की समस्यायों के समाधान करने आव्हान किया। उमाशंकर दुबे ने कहा कि संगठन का विस्तार किया जाए नये लोगों को जोड़ा जाए और उन्हें जिम्मेदारी दी जाएं। उमाशंकर दुबे ने जबलपुर क्षेत्र में फेडरेशन द्वारा चलाए जा रहे अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि यह शुरुआत है जबलपुर में शीघ्र प्रांतीय सम्मेलन भी वृहद स्तर पर आयोजित किया जाएगा।श्याम मोहन वर्मा ने सभी वर्गों की समस्यायों के लिए फेडरेशन के प्रयासो को सराहा। मोहन श्रीवास ने फेडरेशन के इतिहास और प्रयासों की सराहना।अवनीश तिवारी फेडरेशन द्वारा चलाए अभियान को बेहतरीन बताया। आई के अग्रवाल ने फेडरेशन द्वारा किए जा रहे कार्यों और संगठन की गतिविधियों पर विस्तृत प्रकाश डाला। शरद उपाध्याय, विजय तिवारी किसलय, सुनील पटेल,सी एस पालीवाल,आर के चौबे ने कमचारियों की समस्यायों के समाधान हेतु फेडरेशन की परम्परा, कार्य संस्कृति को बताया। सभी ने सभी से पुनः फेडरेशन में जुड़ने का आव्हान किया। विनय पाठक, बसंत मिश्रा मोहित पटेल,मनोज पाठक, मोहित पटेल, सुधीर मिश्रा, दीपक मेमने, नरेश दुबे,दिलीप पाठक,अजय चौबे,दयाशंकर सहित अनेक फेडरेशन के साथियों ने अतिथियों का स्वागत किया। फेडरेशन के महामंत्री श्री पाठक ने मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित कर आग्रह किया कि बिजली सेक्टर की प्रगति में अपनी आहूति देने वाले नियमित कर्मचारियों, कंपनी केडर कार्मिकों, संविदा कर्मियों, आउट सोर्स कर्मचारियों और पेंशनर्स की समस्यायों के समाधान कराने की कृपा करें। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने बताया कि मांग पत्र में बिजली कंपनियों में लगभग 15 वर्षों से कार्यरत सभी संविदा कर्मचारियों को नियमित पदों पर बिना शर्त तत्काल संविलियन अर्थात नियमित करें। परीक्षण सहायक वर्तमान में 650 नियमित होने के लिए शेष बचे हुए हैं उन्हें भी नियमित करने का शीघ्र निर्णय ले। राकेश पाठक ने कहा कि तीनो विद्युत वितरण कंपनियों में तृतीय व चतुर्थ श्रेणी के लगभग एक हजार संविदा कर्मचारियों के लिए वन टाइम ट्रांसफर पॉलिसी कंपनी टू कंपनी (गृह जिला कंपनी) स्थानांतरण नीति* बनाई जाएं। फेडरेशन के महामंत्री राकेश डीपी पाठक ने कहा कि बिजली कंपनियों में लगभग *15 वर्षों से कार्यरत आउटसोर्स कमचारियों के लिए नवीन भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण का लाभ दिया जाना चाहिए । तकनीकी कार्य करने वाले सभी आउट सोर्स कार्मिकों का बीस लाख का बीमा कराया जाएं।राकेश पाठक ने मांग की है कि कंपनी केडर में नियुक्त कार्मिकों को वर्तमान में 70 प्रतिशत, 80 प्रतिशत,90 प्रतिशत और चौथे बर्ष पूरा वेतन वेतन दिया जा रहा है उसकी जगह न्यायालय के आदेशानुसार नियुक्ति दिनांक से ही समान कार्य समान वेतन के तहत पूरा वेतन दिया जाए।नियमित कर्मचारियों को शीघ्र पदोन्नति का लाभ दिया जाए। लम्बे समय से विभिन्न श्रेणियों में व्याप्त वेतन विसंगति को निर्धारित समय-सीमा में दूर किया जाएं। वर्ष 2000 से बर्ष 2012 बीच निधन हुए सभी कर्मचारियों के आश्रितों को बिना शर्त अनुकम्पा नियुक्ति दी जाएं । संविदा में नियुक्त सभी अनुकम्पा नियुक्ति वाले कर्मचारियों को शीघ्र नियमित किया जाए। फेडरेशन के महामंत्री पाठक ने कहा कि मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ राज्य बंटवारे की शर्त धारा 49 (6) 2000 के पूर्व सेवानिवृत्त हुए कमचारियों, पेंशनर्स के लिए ही सिर्फ लागू होती है। इसकी गल्त व्याख्या के कारण 25 वर्षों से आज तक सेवानिवृत्त हो हुएं और हों रहे लगभग सात लाख पेंशनर्स परेशान हैं। अतः शासन 2000 के बाद हुए पेंशनर्स को इस धारा से तत्काल मुक्त करें। नियमित कर्मचारियों के महंगाई भत्ता के साथ ही पेंशनर्स को भी महंगाई राहत, परिवार पेंशन राहत दी जाएं। पेंशनर्स को मेडिकल सुविधा और बिजली सुविधा दी जाएं बिना भेदभाव के। पूरे प्रदेश में आए दिन हो रही बिजली दुर्घटना के कारण एक आउट सोर्स कर्मचारी की अकाल मृत्यु से उसका पूरा परिवार प्रभावित हो रहा है, इस पर रोक लगाई जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन दिनेश दुबे उमाशंकर दुबे ने और आभार प्रदर्शन दयाशंकर शुक्ला ने व्यक्त किया। इस अवसर पर फेडरेशन ने अभियंता मनोज सोनी, प्रसिद्ध योगाचार्य अवनीश तिवारी, साहित्यकार शरद उपाध्याय, विजय तिवारी किसलय, रंजीत सेन,मुन्ना लाल सोनी का शाल, श्रीफल भेंट कर सम्मान किया।

100 रुपये के लिए टावर पर चढ़ा युवक पुलिस ने दिखाई गांधीगिरी तो उतरा

धनपुरी।

थाना क्षेत्र में उस वक्त सांसे थम गईं, जब एक युवक फिल्मी अंदाज में मोबाइल टावर के शिखर पर जा बैठा। शोले फिल्म के क्लाइमेक्स की याद दिलाने वाला यह वाकया विलीयस नंबर-1 इलाके का है, जहां महज 100 रुपये के लिए 30 वर्षीय युवक गोलू ने मौत की छलांग लगाने की धमकी देकर पुलिस और पब्लिक के पसीने छुड़ा दिए।

100 रुपये की खातिर जिंदगी दांव पर

जानकारी के मुताबिक, गोलू नामक यह युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया जा रहा है। उसने किसी से 100 रुपये की मांग की थी, जिसे ठुकराए जाने पर उसका गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। आवेश में आकर गोलू घर के पास स्थित ऊंचे मोबाइल टावर के अंतिम छोर तक चढ़ गया। नीचे खड़े लोग दहशत में थे और ऊपर से युवक मौत का अल्टीमेटम दे रहा था।

थाना प्रभारी की स्मार्ट पुलिसिंग से टला हादसा

घटना की गंभीरता को देखते हुए धनपुरी थाना प्रभारी खेम सिंह पैंद्रो तत्काल दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। जब बल प्रयोग का दांव उल्टा पड़ता दिखा, तो थाना प्रभारी ने सूझबूझ और गांधीगिरी का परिचय दिया। उन्होंने नीचे से ही गोलू को पुचकारा और उसे 100 रुपये देने का वादा किया। पुलिस के इस मानवीय और मनोवैज्ञानिक व्यवहार ने काम किया और करीब एक घंटे के हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद युवक सुरक्षित नीचे उतर आया। सुरक्षित नीचे उतरते ही पुलिस ने राहत की सांस ली और युवक को समझा-बुझाकर परिजनों के सुपुर्द किया। भले ही यह मामला सुखद अंत पर खत्म हुआ, लेकिन इसने इलाके में घंटों तक अफरा-तफरी का माहौल बनाए रखा।

कठौतिया में काल बनी अंगीठी

धधकते कच्चे मकान में जिंदा जला 19 साल का मासूम

मां की आंखों के सामने बुझ गया घर का चिराग

शहडोल।

जिले के कोतवाली थाना अंतर्गत ग्राम कठौतिया से एक ऐसी रूह कंपा देने वाली खबर सामने आई है, जिसने मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। कड़ाके की ठंड से बचने का जतन एक परिवार के लिए मातम में बदल गया। देर रात एक कच्चे मकान में भड़की भीषण आग ने 19 वर्षीय युवक अमित पटेल को जिंदा निगल लिया। इस हृदयविदारक हादसे में एक मां ने अपनी आंखों के सामने अपने जवान बेटे को आग की लपटों में विलीन होते देखा, लेकिन वह बेबस होकर सिर्फ चीखती रह गई।

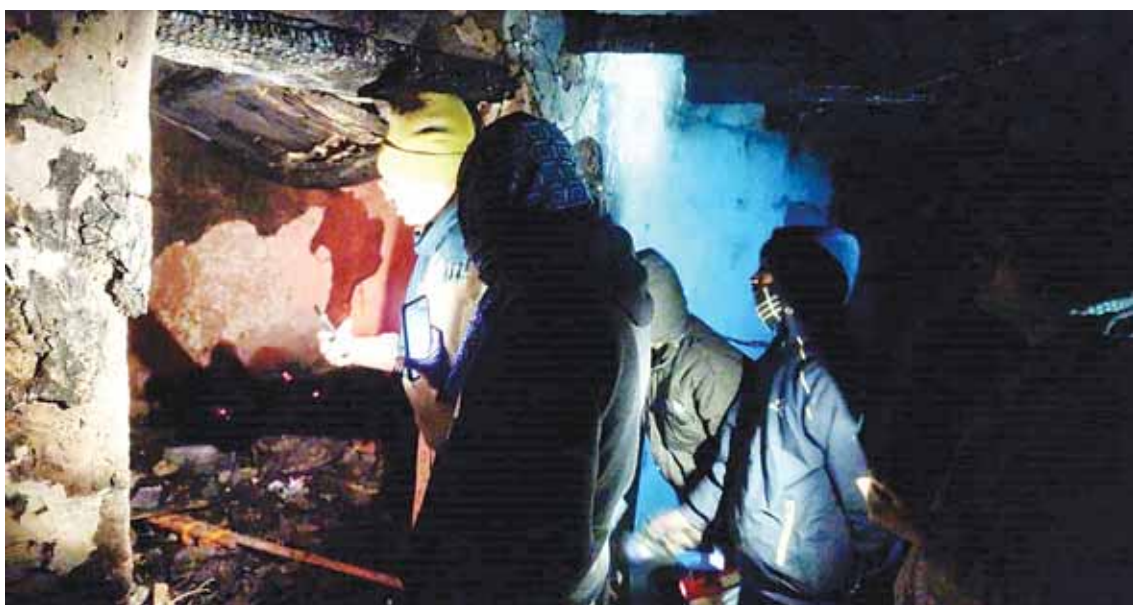

बंद कमरे में तड़पता रहा युवक

हादसा उस वक्त हुआ जब अमित और उसकी मां घर के अलग-अलग कमरों में सो रहे थे। बताया जा रहा है कि अमित के कमरे में ठंड से बचने के लिए जलाई गई अंगीठी या मोमबत्ती काल का कारण बनी। अचानक भड़की लपटों ने खपरैल और लकड़ी से बने कच्चे मकान को पलक झपकते ही आग का गोला बना दिया। जब तक बगल के कमरे में सो रही मां की नींद खुली, पूरा कमरा आग की गिरफ्त में था। मां ने जान जोखिम में डालकर शोर मचाया, ग्रामीण भी दौड़े, लेकिन कमरे से उठती आग की भीषण लपटों और धुएं ने अमित को बाहर निकलने का मौका तक नहीं दिया।

अंधेरे और बदहाली ने छीनी जिंदगी!

इस घटना ने व्यवस्था की बदहाली पर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जानकारी के अनुसार, घर में बिजली का कनेक्शन दो दिन पहले ही काट दिया गया था, जिसके कारण घर अंधेरे में डूबा था। इसी अंधेरे को दूर करने या ठंड भगाने के लिए जलाए गए किसी स्रोत ने आग पकड़ ली। बिजली गुल होने और गरीबी की मार ने अंततः एक नौजवान की जिंदगी छीन ली।

मानवीय भूल या मजबूरी

कोतवाली पुलिस का कहना है कि बिजली कनेक्शन कटा होने के कारण शॉर्ट सर्किट की संभावना शून्य है। आशंका जताई जा रही है कि कमरे में जल रही बीड़ी, लालटेन या अंगीठी से उठी एक चिंगारी ने पूरे आशियाने को श्मशान बना दिया। घर में रखा गृहस्थी का तिनका-तिनका जलकर खाक हो गया है।

जांच में जुटी पुलिस

सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी राघवेंद्र तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हर कोण से मामले की तफ्तीश कर रही है कि आखिर आग लगने की असली वजह क्या थी। यह दर्दनाक हादसा उन तमाम लोगों के लिए एक बड़ी चेतावनी है जो बंद कमरों में अंगीठी या आग जलाकर सोते हैं। आपकी एक छोटी सी लापरवाही पूरे परिवार को उम्र भर का गम दे सकती है।

ग्राम पुटपुरा में मिला मादा बाघ का शव

उमरिया। क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, उमरिया ने बताया कि निजी राजस्व क्षेत्र, ग्राम पुटपुरा, घटना स्थल बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के धमोखर बफर के बीट पिपरिया के कक्ष क्रमांक पीएफ 112 से लगभग 700 मीटर दूर मादा बाघ का शव मिला है । जिसकी उम्र 4 से 5 वर्ष है । बाघ मृत्यु की सूचना मिलते ही विभागीय अमले द्वारा तुरंत स्थल पर पहुँचकर मानक संचालन प्रक्रिया(एसओपी) के तहत आवश्यक कार्यवाही प्रारम्भ की गई। संभावित मृत्यु का कारण सोलर फेंसिंग में उलझने से लगातार विद्युत प्रवाह बताया जा रहा है। उन्होने बताया कि घटना की जानकारी प्राप्त होते ही वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया तथा वन्यप्राणी अपराध नियंत्रण ब्यूरो एवं राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के निर्देशानुसार एस ओ पी अनुसार प्रक्रियाएँ शुरू की गईं। मृत बाघ का पंचनामा तैयार कर स्थल संरक्षण किया गया।डॉग स्क्वाड से शव तथा स्थल की जांच कराई गई साथ ही मेटल डिटेक्टर से शव की जांच की गई।सक्षम वन्य चिकित्सको की उपस्थिति में विस्तृत पोस्टमॉर्टम परीक्षण किया गया। नमूना संकलन विधिवत किया गया, जिसे परीक्षण हेतु अधिकृत प्रयोगशाला प्रेषित किया जाएगा।आवश्यक कार्यवाही उपरांत शवदाह की कार्यवाही की गई।

शंकर ज्वेलर्स टैक्स चोरी की चल रही जांच, दो दिन से कार्यवाही जारी

रीवा।

जिले के चाकघाट कस्बे में जीएसटी विभाग की बड़ी कार्रवाई से व्यापारिक हलकों में हड़कंप मच गया है। गौरा रोड स्थित शंकर ज्वेलर्स शॉप में शुक्रवार शाम करीब 5 बजे जीएसटी टीम ने छापामार कार्रवाई शुरू की, जो शनिवार को दूसरे दिन भी लगातार जारी रही। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई वाणिज्यकर मुख्यालय के निर्देश पर की गई है। एंटी इवेजन ब्यूरो, सतना की 12 सदस्यीय टीम ने शंकर ज्वेलर्स की दुकान में रिसर्च एवं सीजर की कार्रवाई प्रारंभ की। टीम द्वारा दुकान में मौजूद सोने-चांदी के स्टॉक के साथ-साथ क्रय-विक्रय से संबंधित बिल, रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में स्टॉक और दस्तावेजों के मिलान की प्रक्रिया चल रही है। अधिकारियों का कहना है कि यदि दस्तावेजों और वास्तविक स्टॉक में अंतर पाया जाता है, तो टैक्स चोरी से संबंधित स्थिति स्पष्ट हो सकेगी और उसी के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जीएसटी विभाग की यह कार्रवाई लगातार दूसरे दिन भी जारी रहने से चाकघाट सहित आसपास के क्षेत्रों के व्यापारियों में चर्चा और चिंता का माहौल बना हुआ है। फिलहाल विभागीय अधिकारी जांच पूरी होने के बाद ही किसी भी प्रकार की आधिकारिक जानकारी साझा करने की बात कह रहे हैं।

सिंचाई के लिए निकले किसान की बाघ के हमले में हुई मौत

बाघ के बढ़ते खतरे के बावजूद पेंच प्रबंधन की लापरवाही उजागर

पेंच टाइगर रिजर्व क्षेत्र में एक बार फिर मानव-वन्यजीव संघर्ष ने एक निर्दोष किसान की जान ले ली, लेकिन इस दर्दनाक घटना के बाद भी पेंच प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

16 जनवरी 2026 की रात्रि खेत में सिंचाई के लिए निकले किसान राजकुमार कहार की बाघ के हमले में हुई मौत ने प्रबंधन की तैयारियों और सुरक्षा दावों की पोल खोल दी है।

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि पेंच टाइगर रिजर्व से सटे गांवों में बाघों की लगातार आवाजाही की जानकारी पहले से थी। इसके बावजूद न तो वन विभाग द्वारा पर्याप्त गश्त की गई और न ही ग्रामीणों को समय रहते कोई ठोस चेतावनी या सुरक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराई गई। खेतों तक जाने वाले मार्गों पर न लाइट की व्यवस्था है और न ही कोई सुरक्षा घेरा, जिससे रात के समय ग्रामीण सबसे अधिक असुरक्षित हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग हर बार घटना के बाद केवल औपचारिक कार्रवाई कर मुआवजा देकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या एक परिवार के मुखिया की जान की कीमत सिर्फ सहायता राशि से चुकाई जा सकती है? मृतक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है, वहीं छोटे बच्चों और पत्नी के सामने आजीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि पेंच प्रबंधन द्वारा मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने के लिए कोई दीर्घकालिक योजना नहीं बनाई गई है। न तो गांवों के आसपास सोलर फेंसिंग की व्यवस्था है, न ही रात्रिकालीन निगरानी दल सक्रिय हैं। बार-बार होने वाली घटनाओं के बावजूद प्रबंधन का रवैया केवल घटना के बाद कार्रवाई तक सीमित है।

ग्रामीणों और सामाजिक संगठनों ने पेंच टाइगर रिजर्व प्रबंधन से मांग की है कि गांवों के आसपास बाघों की मूवमेंट पर सख्त निगरानी की जाए, खेतों और गांवों तक जाने वाले मार्गों पर पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा इंतजाम किए जाएं, रात्रि गश्त बढ़ाई जाए और त्वरित चेतावनी तंत्र विकसित किया जाए, तथा मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने के लिए ठोस और स्थायी नीति बनाई जाए।

यदि समय रहते पेंच प्रबंधन ने गंभीर कदम नहीं उठाए, तो ऐसी घटनाएं दोहराने से इनकार नहीं किया जा सकता। सवाल यह है कि आखिर कब तक ग्रामीण अपनी जान जोखिम में डालकर खेती करने को मजबूर रहेंगे और कब तक प्रबंधन केवल कागजी दावों में उलझा रहेगा।

सिवनी में साईं भक्ति का महापर्व 19 से पहली बार होंगे साईं बाबा की मूल चरण पादुका के दिव्य दर्शन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। जिले में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिलने जा रहा है। साईं बाबा द्वारा धारण की गई मूल चरण पादुका के दिव्य दर्शन का सौभाग्य सिवनीवासियों को पहली बार प्राप्त होगा। इस पावन अवसर पर साईं उत्सव एवं साईं मेला का आयोजन 19 जनवरी से 22 जनवरी 2026 तक साईंपुरम, सिवनी (म.प्र.) में किया जाएगा। आयोजन की शुरुआत 19 जनवरी 2026 को प्रातः 10 बजे भव्य साईं पालकी एवं चरण पादुका दर्शन शोभायात्रा के साथ होगी। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करेगा, बल्कि पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण का सृजन भी करेगा। आयोजकों के अनुसार यह मध्यप्रदेश में प्रथम अवसर है, जब सिवनी की पावन धरा पर साईं बाबा की दिव्य चरण पादुका का आगमन हो रहा है। चार दिवसीय इस साईं उत्सव के दौरान भजन, कीर्तन, सत्संग एवं विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिससे श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो सकेंगे। इस भव्य आयोजन का दायित्व श्री शिरडी साईं मंदिर ट्रस्ट, साईंपुरम, सिवनी (म.प्र.) द्वारा निभाया जा रहा है। ट्रस्ट ने समस्त श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर साईं बाबा के दिव्य दर्शन का लाभ लें और इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनें।

नाबालिग के साथ गलत काम करने वाले आरोपी को 20 साल की सजा

नौगांव/छतरपुर। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट/उपेन्द्र देशवाल ने नाबालिग बालक के साथ दुराचार करने के मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए आरोपी पप्पू उर्फ कमलेश सैनी को पॉक्सो एक्ट की धारा 4(2) में 20 साल की कठोर कैद के साथ 15 हजार रुपये के जुर्माना की सजा सुनाई, साथ ही पीड़ित बालक के भविष्य और मानसिक आघात को देखते हुए उसे डेढ़ लाख रुपए का मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। पीड़ित बालक अपने पिता व भाई के थाना नौगांव में उपस्थित होकर रिपोर्ट लेख कराई कि आज दिनांक 27 जनवरी 2023 को वह नौगांव से दूध बांटकर अपनी साइकिल से घर जा रहा था, कि तभी सुबह करीब 08:30 बजे उसके घर के पहले आरोपी पप्पू उर्फ कमलेश सैनी जिसे वह पहले से जानता था, मिला वह उससे बोला कि उसे मोबाईल नम्बर लगाना नहीं आता है, तुम उसके मोबाइल से फोन लगा दो और यह कह कर उसे वहीं जंगल में ले

जीवन में अपनाएं ये मंत्र, नहीं होगी आर्थिक परेशानी

अगर आप भी हमेशा अमीर बने रहना चाहते हैं तो पर्सनल फाइनेंस के कुछ मंत्र याद रखें और उन्हें अपने जीवन में अपनाएं। इससे आपको कभी भी पैसे की कमी नहीं होगी। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ मंत्र बताने वाले हैं जो आपके काफी काम के होंगे। इन्हें अपनाकर आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकते हैं और बचत भी कर सकते हैं। आजकल लोगों के लिए पैसा कमाने से भी ज्यादा मुश्किल उसे संभालना हो गया है। ज्यादातर लोगों की सैलरी आते ही खर्च हो जाती है और महीने के आखिरी में उनकी जेब खाली हो जाती है। इसी के साथ-साथ न ही वह कोई बचत कर पाते हैं, क्योंकि महीने के आखिरी तक कुछ बचता ही नहीं। ऐसे में पर्सनल फाइनेंस के पांच नियमों को अपना लें। इससे आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकेंगे और बचत भी कर पाएंगे।

50–30–20 नियम अपनाएं

50–30–20 नियम में 50 का मतलब है कि आपको अपनी सैलरी का 50 प्रतिशत हिस्सा केवल जरूरी खर्चों में खर्च करना है। इसमें घर का किराया, राशन, बिल और अन्य जरूरी खर्चों को शामिल करें। सैलरी का 30% हिस्सा अपने लिए रखें और अपनी जरूरत और अपने इच्छाओं के अनुसार खर्च करें। सैलरी का 20 प्रतिशत हिस्से की बचत करें और निवेश करें।

इमरजेंसी फंड बनाएं

अपने लिए एक इमरजेंसी फंड जरूर बनाएं, जो मुश्किल समय में काम आ सकें। इमरजेंसी फंड 3 से 6 माह के जरूरी खर्च के बराबर जरूर होना चाहिए. यह फंड नौकरी जाने, मेडिकल इमरजेंसी और अचानक आय रुकने की स्थिति में काम आता है। इमरजेंसी फंड आपको वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

ईएमआई इनकम के 40% तक रखें

ईएमआई (इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट) इनकम के 40 प्रतिशत तक रखना एक अच्छा नियम है। इससे आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने और अपने जीवन को तनाव मुक्त रखने में मदद मिलती है। ईएमआई के 40% तक रखने से आपको वित्तीय सुरक्षा मिलती है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। आपको तनाव से मुक्ति मिलती है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। आपको बचत करने में मदद मिलती है, जिससे अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इंश्योरेंस जरूर लें

केवल निवेश ही नहीं बल्कि इंश्योरेंस को भी प्राथमिकता दें। ऐसे में खुद को और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हेल्थ और टर्म लाइफ इंश्योरेंस जरूर लें। इसके कुछ फायदें हैं जैसे। इंश्योरेंस आपको और आपके परिवार को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इंश्योरेंस आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इंश्योरेंस आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इक्विटी में निवेश करें

अगर आप लंबे समय के लिए निवेश करना चाहते हैं तो थोड़ा पैसा इक्विटी जैसे म्यूचुअल फंड में निवेश जरूर करें। इक्विटी में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन इसमें जोखिम भी होता है। इक्विटी में निवेश करने से पहले आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश के समय को ध्यान में रखना चाहिए।

• बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान इनमें निवेश करना फायदेमंद •

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड दिला सकते हैं बेहतर रिटर्न

▸▸ इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमाने का मौका
▸▸ निवेश करने से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन हो सकते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों में निवेश कर बाजार की अस्थिरता का असर कम करते हैं, जिससे लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की उम्मीद है। इसलिए आप भी इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं, लेकिन यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि निवेश से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय कर लें। इसके बाद ही निवेया का फैसला लें, वरना कई बार परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले साल में बाजार सतर्क रह सकता है, ऐसे में हाइब्रिड फंड निवेशकों को स्थिर रिटर्न देने में मदद कर सकते हैं।

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड क्या हैं

एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड ऐसे फंड होते हैं, जो इक्विटी (शेयर बाजार) और डेट (बॉन्ड, सरकारी प्रतिभूतियां, मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट) दोनों में निवेश करते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि इनमें 65% से 80% तक का निवेश इक्विटी में किया जाता है, जबकि शेष 20% से 35% तक डेट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाता है। इक्विटी में ज्यादा निवेश होने की वजह से इन्हें इक्विटी फंड की तरह टैक्स बेनिफिट मिलता है, वहीं डेट का हिस्सा बाजार की अस्थिरता के दौरान पोर्टफोलियो को कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान करता है। इसका फायदा यह है कि जब शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो डेट निवेश से नुकसान कम होता है। ऐसे फंड कंसर्वेटिव इक्विटी निवेशकों के लिए खास होते हैं, जो जोखिम लेने को तैयार हैं, लेकिन अत्यधिक उतार-चढ़ाव नहीं सह सकते। इससे लंबी अवधि में निवेशकों को धैर्यपूर्वक धन बढ़ाने का मौका मिलता है।

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए बेहतर ऑप्शन

लाभ और टैक्स की सुविधा

इन फंडों का एक बड़ा फायदा है नियमित प्रॉफिट बुकिंग। जब बाजार में इक्विटी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा बढ़ जाता है, तो फंड मैनेजर स्टॉक्स बेचकर असाइनमेंट बनाए रखते हैं। यह लंबी अवधि में रिटर्न बढ़ाने में मदद करता है। व्यक्तिगत निवेशक अगर ऐसा करते हैं, तो 1 लाख रुपये से ज्यादा के लाभ पर टैक्स देना पड़ता है, जबकि म्यूचुअल फंड के निवेशकों को इस पर टैक्स की सुविधा मिलती है। हालांकि, नियमित डिविडेंड की उम्मीद से इन फंडों में निवेश करना उचित नहीं है।

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड कौन से हैं

पिछले कुछ वर्षों के प्रदर्शन, फंड मैनेजमेंट और रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न के आधार पर भारत में कई एग्रीसिव हाइब्रिड फंड निवेशकों के बीच पसंद किए जा रहे हैं। ये फंड निवेशकों को अच्छा मुना देने की क्षमता रखते हैं। इनमें निवेश करना भी ठीक रहता है। इनमें प्रमुख हैं।

- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी और डेट फंड
- एसबीआई इक्विटी हाइब्रिड फंड
- कोटक इक्विटी हाइब्रिड फंड
- एचडीएफसी हाइब्रिड इक्विटी फंड
- यूटीआई एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- क्वांट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- कनारा रोबेको इक्विटी हाइब्रिड फंड
- मिराए एसेट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड

इनमें निवेश करना फायदेमंद

अगर निवेशक शुद्ध इक्विटी फंड के उच्च जोखिम से बचना चाहते हैं, लेकिन फिक्स्ड डिपॉजिट या डेट फंड जैसे कम रिटर्न से संतुष्ट नहीं हैं, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड संतुलित विकल्प हैं।

इन फंड्स का उद्देश्य

- इक्विटी से ग्रोथ का लाभ मिले
- डेट से स्थिरता और सुरक्षा बनी रहे
- लंबी अवधि (5 से 7 साल या उससे अधिक) में इन फंड्स ने औसतन 10–14% तक का वार्षिक रिटर्न देने की क्षमता दिखाई है, हालांकि रिटर्न बाजार स्थितियों पर निर्भर करता है।
- जब बाजार में ज्यादा उतार-चढ़ाव होता है, तब पूरी रकम इक्विटी में निवेश करना कई निवेशकों को असहज कर सकता है। ऐसे समय में एग्रीसिव हाइब्रिड फंड का डेट हिस्सा वोलैटिलिटी को कुछ हद तक कम करने में मदद करता है।

यह भी रखें ध्यान

- ये फंड पूरी तरह सुरक्षित नहीं होते
- बाजार में तेज गिरावट आने पर इनमें भी अस्थायी नुकसान हो सकता है
- शुद्ध इक्विटी फंड की तुलना में इनकी गिरावट अक्सर थोड़ी कम देखी जाती है। इसलिए जिन निवेशकों को बाजार की चाल समझने में दिक्कत होती है या जो भावनात्मक फैसले लेने से बचना चाहते हैं, उनके लिए ये फंड उपयोगी हो सकते हैं।

ऐसे में निवेशकों को क्या करना चाहिए?

- वर्तमान बाजार परिस्थितियों में निवेशकों को घबराकर फैसले लेने से बचना चाहिए। एक्सपर्ट्स की मानें तो:
- निवेश का लक्ष्य और समयावधि स्पष्ट रखें
- एसआईपी के जरिए निवेश करें, ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत लाभ मिल सके
- एकमुश्त निवेश करने से पहले बाजार वैल्यूएशन पर ध्यान दें
- पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें
- अगर कोई निवेशक पहली बार म्यूचुअल फंड में कदम रख रहा है या मध्यम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न चाहता है, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड एक अच्छी शुरुआत हो सकते हैं।

क्यों एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड की सबसे बड़ी ताकत उनका बैलेंस्ड अप्रोच है। ये फंड फंड मैनेजर को यह लचीलापन देते हैं कि वे बाजार की स्थिति के अनुसार इक्विटी और डेट का अनुपात थोड़ा बहुत बदल सकें।

लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न की उम्मीद

इतिहास गवाह है कि लंबी अवधि में बाजार ने हमेशा धैर्य रखने वाले निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया है। एग्रीसिव हाइब्रिड फंड इसी सिद्धांत पर काम करते हैं। ये न तो बहुत ज्यादा आक्रामक होते हैं और न ही बहुत ज्यादा रक्षात्मक। सही फंड का चयन, नियमित निवेश और लंबी अवधि तक बने रहना। ये तीन बातें मिलकर एग्रीसिव हाइब्रिड फंड को एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बनाती हैं।

छोटे-छोटे निवेश से भी किए जा सकते हैं बड़े सपने पूरे

आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी वित्तीय योजना मजबूत और सुरक्षित हो, लेकिन सवाल यह है कि लंबी अवधि के लक्ष्यों जैसे बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए सही निवेश कैसे चुना जाए? इसी का जवाब है। एसआईपी-एसडब्ल्यूपी, जो म्यूचुअल फंड निवेश को आसान और अनुशासित बनाते हैं।

एसआईपी : छोटी बचत से बड़ा निवेश

एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप छोटी-छोटी रकम से निवेश शुरू कर सकते हैं। हर महीने तय राशि निवेश करने से धीरे-धीरे बड़ा फंड तैयार हो जाता है। यह तरीका निवेशक को अनुशासन सिखाता है और बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाता है। एसआईपी में चक्रवृद्धि का फायदा मिलता है, यानी समय के साथ आपका पैसा ब्याज पर ब्याज कमाता है और तेजी से बढ़ता है।

एसडब्ल्यूपी: नियमित आय का साधन

दूसरी ओर, एसडब्ल्यूपी उन निवेशकों के लिए है जो अपने निवेश से नियमित आय चाहते हैं। इसमें निवेशक अपने म्यूचुअल फंड से हर महीने या तिमाही तय राशि निकाल सकते हैं। यह तरीका

खासकर रिटायर लोगों के लिए उपयोगी है, क्योंकि उन्हें पेंशन जैसी स्थिर आय मिलती रहती है। एसडब्ल्यूपी से निवेशक का मूल निवेश सुरक्षित रहता है और जरूरत के मुताबिक पैसा मिलता रहता है।

विशेषज्ञों की राय

फाइनेंशियल एडवाइजर्स का मानना है कि एसआईपी और एसडब्ल्यूपी दोनों मिलकर निवेशक को संतुलित वित्तीय योजना बनाने में मदद करते हैं। एसआईपी से लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए फंड तैयार होता है, जबकि एसडब्ल्यूपी से जरूरत पड़ने पर नियमित आय मिलती है। यह संयोजन निवेशक को बाजार की अस्थिरता से बचाता है और अनुशासन बनाए रखता है।

किसके लिए बेहतर?

- **युवा निवेशक:** जो लंबी अवधि के लिए बचत करना चाहते हैं, उनके लिए एसआईपी सबसे अच्छा विकल्प है।
- **रिटायर लोग:** जिन्हें हर महीने खर्च के लिए आय चाहिए, उनके लिए एसडब्ल्यूपी आदर्श है।
- **मध्यम आय वर्ग:** एसआईपी से धीरे-धीरे फंड तैयार कर सकते हैं और बाद में एसडब्ल्यूपी से उसका लाभ उठा सकते हैं।
- एसआईपी और **SWP** सिर्फ निवेश के तरीके नहीं हैं, बल्कि वित्तीय अनुशासन और सुरक्षा का आधार हैं। एसआईपी से आप भविष्य के बड़े लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं, जबकि एसडब्ल्यूपी से वर्तमान की जरूरतें पूरी होती हैं। सही योजना और समय पर निवेश से ये दोनों तरीके मिलकर आपकी वित्तीय जिंदगी को स्थिर और सुरक्षित बना सकते हैं।

प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन पर ध्यान दें

लोन लेने जा रहे हैं तो रहें अलर्ट, हिडन चार्ज कर सकते हैं जेब खाली

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी लोन लेकर अपना आशियाना खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो सावधान रहें, वरना कुछ हिडन चार्ज आपकी जेब ढीली का सकते हैं। इसलिए कुछ बातों को जानना जरूरी है। दरअसल, लोन लेने के दौरान बैंक कई तरह के चार्ज लगाती हैं। लोन लेने के बाद काफी लोग कम ब्याज दर के कारण लोन ट्रांसफर भी कराते हैं। ऐसे में उन्हें कई तरह के चार्ज चुकाने पड़ते हैं। इससे लोन चुकाने में ज्यादा रकम खर्च होती है। इनमें से कुछ चार्ज को कम कर पैसा बचाया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लोन लेने के दौरान प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन आपके लोन की कुल लागत को काफी बढ़ा सकते हैं। प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर के क्लॉज पर खास ध्यान देना चाहिए, खासकर जब उन पर कोई शुल्क लगता हो। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ जो आपको परेशान कर सकते हैं।

प्रोसेसिंग चार्ज

हर होम लोन की शुरुआत प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और प्रशासनिक खर्चों से होती है। ये वो शुल्क हैं जो बैंक आपके आवेदन का मूल्यांकन करने, डॉक्यूमेंट्स की जांच करने और क्रेडिट चेक करने

इनमें से कुछ चार्ज को कम कर बचाया जा सकता है पैसा

के लिए लेते हैं। ये शुल्क 5000 से 15000 रुपये तक हो सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक होम लोन लेते समय बैंक से इन चार्ज के बारे में मोलभाव करना चाहिए। काफी बैंक इन चार्ज को कम कर देते हैं।

प्रीपेमेंट पेनल्टी

प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर क्लॉज तब काम आते हैं जब आप अपना लोन आंशिक रूप से या पूरी तरह से जल्दी चुकाना चाहते हैं। आरबीआई के नियमानुसार फ्लोटिंग रेट (बदलते ब्याज दर वाले) होम लोन पर कोई प्रीपेमेंट शुल्क नहीं लग सकता है। हालांकि फिक्स्ड इंटरेस्ट रेट और हाइब्रिड इंटरेस्ट रेट होम लोन पर आमतौर पर बकाया मूल राशि का 4% तक का जुर्माना लग सकता है। बेसिक होम लोन के सीईओ और को-फाउंडर अतुल मोंगा के अनुसार, जब कोई उधारकर्ता आंशिक प्रीपेमेंट करता है तो बैंक आमतौर पर लोन की अवधि कम कर देते हैं और ईएमआई वैसे ही रखते हैं। इससे लंबे समय में ब्याज की काफी बचत होती है।

ब्याज दर बदलने पर चार्ज

बाजार की स्थितियां बदलती रहती हैं। हो सकता है कि आप अपने लोन की अवधि के दौरान फ्लोटिंग से फिक्स्ड रेट या फिक्स्ड रेट से फ्लोटिंग रेट पर स्विच करना चाहें। बैंक इसके लिए कन्वर्जन की सुविधा देते हैं, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। मोंगा के अनुसार, कन्वर्जन फीस आमतौर पर आपकी बकाया लोन राशि का 0.25% से 0.5% तक होती है। 40 लाख रुपये की बकाया राशि पर यह 10,000 रुपये से 20,000 रुपये के बीच हो सकता है। कन्वर्जन विकल्प का उपयोग करने से पहले, यह गणना करें कि क्या ब्याज दर का अंतर कन्वर्जन शुल्क को सही ठहराता है। कभी-कभी अपनी मौजूदा दर पर बने रहना अधिक किफायती होता है।

बैलेंस ट्रांसफर की लागत

अपने होम लोन के कुछ साल बाद आपको कम ब्याज दरों पर बैलेंस ट्रांसफर (लोन को एक बैंक से दूसरे बैंक में ले जाना) के ऑफर मिल सकते हैं। हालांकि, ब्याज दर बदलने की तरह ऐसे अवसर को तुरंत लपक लेना हमेशा एक अच्छा ऑप्शन नहीं हो सकता है। कम ब्याज दर के अलावा, नए ऋणदाता के पास भी वही शुरुआती शुल्क हो सकते हैं जैसे प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और मूल्यांकन शुल्क, एमओडीटी शुल्क आदि। अगर आपका पुराना लोन हाइब्रिड या फिक्स्ड रेट पर था, तो उस पर फोरक्लोजर पेनल्टी भी लग सकती है। शेट्टी कहते हैं कि बैलेंस ट्रांसफर तभी फायदेमंद होता है जब ब्याज दर का अंतर काफी ज्यादा हो।

लेट पेमेंट पर लगने वाला चार्ज

कई बार होम लोन की ईएमआई लेट हो सकती है। यह कई कारणों से हो सकती है, जैसे सैलरी का देरी से मिलना, कोई मेडिकल इमरजेंसी आदि। ऐसे में लेट पेमेंट के नाम पर बैंक भारी चार्ज लगाते हैं। यह बकाया ईएमआई का 3 फीसदी तक या इससे ज्यादा भी हो सकता है। मोंगा बताते हैं कि अधिकांश बैंक जुर्माना लगाने से पहले ड्यू डेट के बाद 5 से 10 दिनों का अतिरिक्त ग्रेस पीरियड (छूट अवधि) देते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि अपने अकाउंट में पर्याप्त पैसा रखें ताकि ईएमआई बाउंस न हो।

जबरन बीमा बेचना

इंश्योरेंस एक और ऐसा सेक्टर है जहां उधारकर्ता अक्सर अनजाने में पैसा गंवा देते हैं। दो तरह के इंश्योरेंस दिए जाते हैं। पहला प्रॉपर्टी इंश्योरेंस। होम लोन के दौरान आपकी प्रॉपर्टी बैंक में गिरवी रखी संपत्ति होती है। बैंक को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता होती है कि यह आग, प्राकृतिक आपदाओं और अन्य नुकसानों से सुरक्षित है। दूसरा इंश्योरेंस लोन प्रोटेक्शन है। यह एक टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी है जो होम लोन लेने वाले की मृत्यु होने पर लोन का बकाया पेमेंट करती है। लोन प्रोटेक्शन इंश्योरेंस वैकल्पिक है। विवाद तब पैदा होते हैं जब बैंक स्पष्ट सहमति के बिना सिंगल-प्रीमियम इंश्योरेंस को लोन में बंडल कर देते हैं। उधारकर्ता अपनी पसंद के बीमाकर्ता को चुनने या अलग टर्म प्लान लेने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते वे बैंक की आवश्यकताओं को पूरा करते हों।

सीईआरएसएआई चार्जेज

सीईआरएसएआई (सेंट्रल रजिस्ट्री ऑफ सिक्योरिटाइजेशन एसेट रिकंस्ट्रक्शन एंड सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऑफ इंडिया) एक ऐसा शुल्क है जो आमतौर पर पहली बार होम लोन लेने वाले को भ्रमित करता है। शेट्टी बताते हैं कि सीईआरएसएआई चार्जेज एक ही प्रॉपर्टी पर कई लोन को रोकने के लिए एक केंद्रीय डेटाबेस में मॉर्गेज के रजिस्ट्रेशन को कवर करते हैं। ये शुल्क 100 (जीएसटी के अतिरिक्त) तक हो सकते हैं।

लोन भी गुड और बैड कुछ होते हैं दौलत के दोस्त और कई जेब के 'दुश्मन'

आसानी से मिल जाने वाले लोन का पैसा राहत के साथ दे सकता है बड़ी परेशानी

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में लोन लेना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। बैंक हों या मोबाइल एप, कुछ ही समय में आसानी से लोन मिल जाता है। अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे लोन ले लेते हैं, लेकिन यहीं से कई बार फाइनेंशियल परेशानी शुरू हो जाती है, क्योंकि हर लोन आपके फायदे के लिए नहीं होता। असल में लोन दो तरह के होते हैं गुड लोन और बैड लोन और दोनों में फर्क समझना आम लोगों के लिए बेहद जरूरी है। डिजिटल दौर में इंस्टेंट लोन ऐप्स ने लोगों को जल्दी पैसा तो दिया, लेकिन साथ में हाई इंटरेस्ट, छिपे चार्ज और मानसिक तनाव भी दिया है। कई लोग छोटी जरूरतों के लिए ऐसे ऐप्स से लोन लेते हैं और बाद में ईएमआई के बोझ में फंस जाते हैं। यही वजह है कि लोन लेने से पहले यह समझना जरूरी है कि आप किस तरह का कर्ज ले रहे हैं।

सोच समझकर ही कदम उठाना होगा फायदेमंद, वरना आप रहेंगे घाटे में
अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे ले लेते हैं लोन

क्या होता है गुड लोन

गुड लोन वह होता है जो आपकी जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करें। ऐसा लोन जो भविष्य में आपकी आमदनी बढ़ाए, संपत्ति बनाए या करियर को मजबूत करे, उसे अच्छा कर्ज माना जाता है। इसमें ब्याज दर आमतौर पर कम होती है और समय के साथ इसका फायदा नजर आता है। मान लीजिए आपने पढ़ाई के लिए एजुकेशन लोन लिया और आगे चलकर उसी पढ़ाई से आपकी कमाई बढ़ती है। इसी तरह बिजनेस लोन से व्यापार बढ़ता है या होम लोन से आपकी खुद की संपत्ति बनती है। ऐसे लोन लंबे समय में आपकी नेटवर्थ बढ़ाने का काम करते हैं, इसलिए इन्हें गुड लोन कहा जाता है।

गुड लोन की खास पहचान

गुड लोन में रिटर्न की संभावना ब्याज से ज्यादा होती है। ईएमआई आपकी कमाई के हिसाब से मैनेज हो जाती है और लोन का इस्तेमाल किसी प्रोडक्टिव काम में होता है। यह आपकी फाइनेंशियल ग्रोथ का हिस्सा बनता है, बोझ नहीं।

बैड लोन क्या होता है

बैड लोन वह होता है जो सिर्फ खर्च बढ़ाता है, आमदनी नहीं। इस तरह के लोन में ब्याज दर काफी ज्यादा होती है और कई बार अतिरिक्त चार्ज भी जुड़ जाते हैं। अगर समय पर भुगतान न हो, तो क्रेडिट स्कोर बिगड़ जाता है और आगे लोन मिलना मुश्किल हो जाता है। पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड बकाया, इंस्टेंट लोन ऐप्स से लिया गया कर्ज या गैर-जरूरी चीजों के लिए लिया गया लोन अक्सर इसी कैटेगरी में आता है। इनसे न तो कोई एसेट बनता है और न ही भविष्य में कोई फायदेमंद रिटर्न मिलता है।

बैड लोन क्यों बन जाता है परेशानी

बैड लोन की ईएमआई जेब पर भारी पड़ती है। कई लोग एक लोन चुकाने के लिए दूसरा लोन लेते हैं और धीरे-धीरे कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। तनाव बढ़ता है, सेविंग खत्म हो जाती है और आर्थिक आजादी खतरे में पड़ जाती है।

दोनों में क्या है अंतर

आधार	: लोन लेने का मकसद
गुड लोन	: भविष्य को मजबूत बनाना
बैड लोन	: सिर्फ मौजूदा खर्च पूरा करना
आधार	: पैसे का असर
गुड लोन	: दौलत और कमाई बढ़ाता है
बैड लोन	: जेब पर बोझ बढ़ाता है
आधार	: ब्याज दर
गुड लोन	: अपेक्षाकृत कम
बैड लोन	: काफी ज्यादा
आधार	: लंबे समय का फायदा
गुड लोन	: फायदा देता है नहीं
बैड लोन	: नुकसान बढ़ाता है
आधार	: कमाई
गुड लोन	: बढ़ाने में मदद करता है
बैड लोन	: नहीं करता
आधार	: जोखिम का स्तर
गुड लोन	: कम जोखिम
बैड लोन	: ज्यादा जोखिम
आधार	: उदाहरण
गुड लोन	: होम लोन, एजुकेशन लोन, बिजनेस लोन
बैड लोन	: पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड लोन, इंस्टेंट ऐप लोन
आधार	: मानसिक असर
गुड लोन	: सुरक्षा और स्थिरता
बैड लोन	: तनाव और दबाव
आधार	: भविष्य की प्लानिंग
गुड लोन	: आसान बनती है
बैड लोन	: मुश्किलें बढ़ाती है

कितना लोन लेना है सही

लोन लेते समय अपनी आय और खर्च का सही हिसाब लगाना जरूरी है। इसके लिए डेट-टू-इनकम रेश्यो देखा जाता है। यानी आपकी कुल मासिक ईएमआई, आपकी मासिक कमाई के 40 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अगर यह 30 फीसदी से नीचे है, तो और भी बेहतर माना जाता है।

लोन से पहले बचत को दें प्राथमिकता

हर छोटी जरूरत के लिए लोन लेना समझदारी नहीं है। बेहतर है कि पहले बचत की आदत डालें। छोटी प्लानिंग, एसआईपी या इमरजेंसी फंड बनाकर कई खर्च बिना कर्ज के पूरे किए जा सकते हैं। लोन तभी लें, जब वह सच में आपकी जिंदगी को आगे बढ़ाने वाला हो।

समझदारी ही असली सुरक्षा

लोन अपने आप में न अच्छा है, न बुरा। फर्क इस बात से पड़ता है कि आप उसे किस मकसद से ले रहे हैं। सही जानकारी और सोच-समझकर लिया गया कर्ज आपकी तरक्की का रास्ता खोल सकता है, जबकि जल्दबाजी में लिया गया लोन आपकी जेब का सबसे बड़ा दुश्मन बन सकता है।

'स्पिरिट' की रिलीज तारीख का ऐलान..

मुंबई। सुपरस्टार प्रभास की हालिया रिलीज फिल्म 'द राजा साब' लोगों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर रही। इस बीच, अभिनेता ने अपनी बहुप्रतिक्षित फिल्म 'स्पिरिट' से जुड़ी सबसे बड़ी खुशखबरी साझा कर दी है। सोशल मीडिया पर आधिकारिक ऐलान करते हुए फिल्म की रिलीज तारीख का खुलासा किया गया है। संदीप रेड्डी वांगा में बन रही 'स्पिरिट' का पहला पोस्टर नए साल के पहले दिन जारी हुआ था। रिलीज का ऐलान होने से प्रशंसक डबल उत्साहित हो गए हैं। प्रभास की 'स्पिरिट' एक्शन-थ्रिलर फिल्म है जिसका हिस्सा तृप्ति डिमरी और विवेक ओबेरॉय भी हैं।

लाइफ Style

मृणाल

फरवरी में सात फेरे लेने का दावा

एजेंसी ▶▶ मुंबई

साउथ सुपरस्टार धनुष और मृणाल ठाकुर की कथित प्रेम-कहानी काफी समय से लोगों का ध्यान खींच रही है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि दोनों दुनिया की नजरों से छिपकर एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

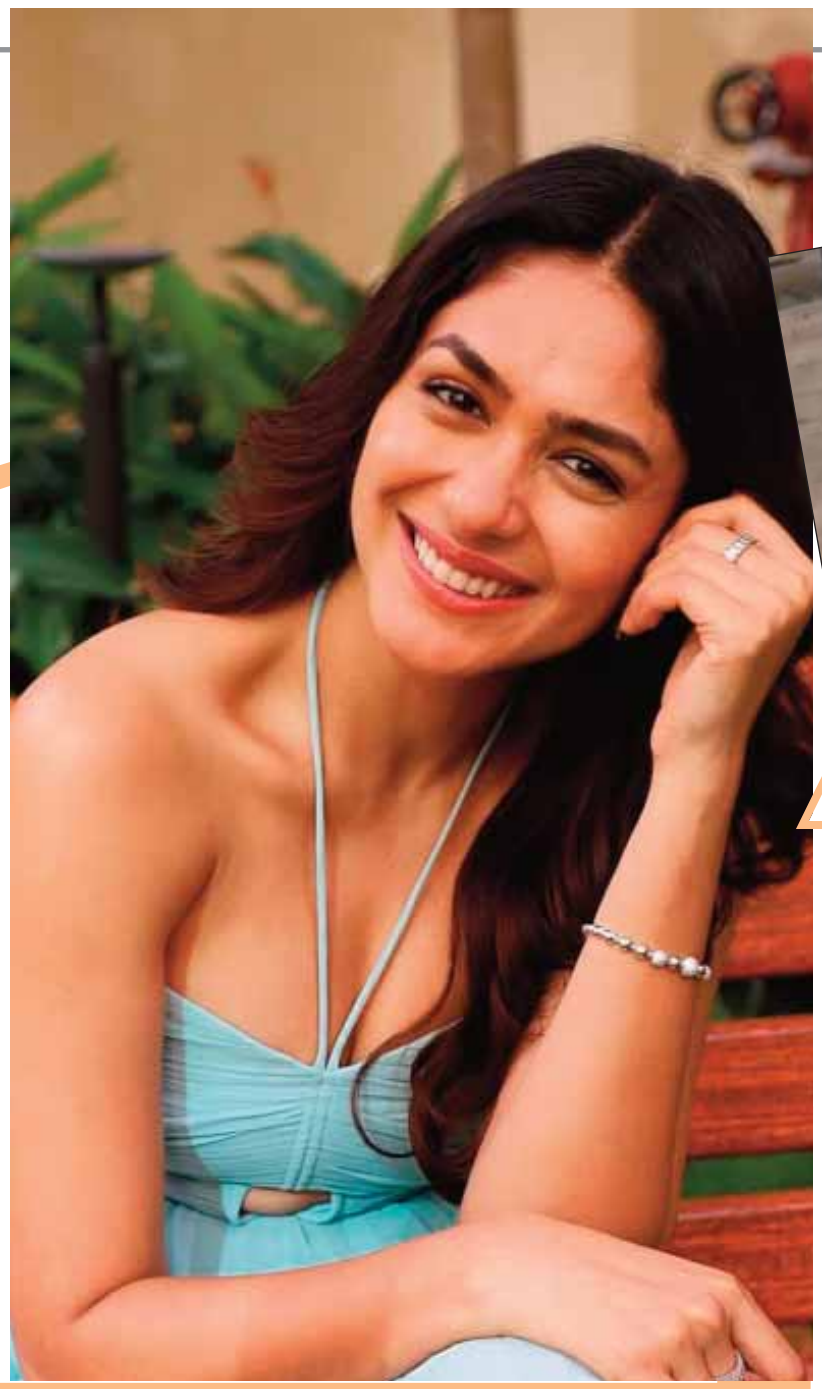

नई जानकारी और चौंकाने वाली है, क्योंकि दावा है कि दोनों अपने रिश्ते को आधिकारिक नाम देने की तैयारी में हैं। फरवरी में वैलेंटाइन डे के खास मौके पर मृणाल, 9 साल बड़े धनुष से शादी कर सकती हैं। मीडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 14 फरवरी यानी वेलेंटाइन डे को धनुष और मृणाल एक निजी समारोह में शादी की योजना बना रहे हैं। इस समारोह में सिर्फ दोनों सितारों का परिवार और करीबी रिश्तेदार शामिल होंगे। हालांकि, इन रिपोर्ट्स पर दोनों में से किसी ने भी आधिकारिक बयान नहीं दिया है और न कई दिनों से चल रहे अपने कथित रिश्ते की पुष्टि की है। इसलिए इन दावों में कितनी सच्चाई है, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

धनुष और मृणाल के डेटिंग की खबरों ने 'सन ऑफ सरदार 2' की स्क्रीनिंग के दौरान जोर पकड़ा था, जब दोनों सितारों को एक साथ कैमरे में कैद किया गया। इसके बाद, मृणाल के जन्मदिन पर धनुष को उनका हाथ थामे और मुस्कुराते हुए देखा गया। यही नहीं, धनुष और कृति सैनन की फिल्म 'तेरे इश्क में' की रैप-अप पार्टी में मृणाल ने पहुंचकर लोगों को चौंका दिया। बस यहीं से दोनों के कथित रिश्ते के किस्से शुरू हो गए।

हॉलीवुड मसाला

ट्रंप के टैरिफ से सिनेमा में मचा हड़कंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ दिन पूर्व ही घोषणा की है कि अमेरिका के बाहर बनी सभी फिल्मों पर अब 100% तक का टैरिफ लगाया जाएगा। ट्रंप का कहना है कि यह अहम कदम अमरीकी फिल्म उद्योग को फिर से मजबूत करना और 'मेड इन अमेरिका' नीति को आगे बढ़ाने के लिए बहुत जरूरी है। ट्रंप के इस कदम से न केवल हॉलीवुड बल्कि ग्लोबल सिनेमा में हड़कंप मचा हुआ है। दरअसल, ट्रंप का कहना है कि विदेशों में बनी फिल्मों ने अमरीका से फिल्म निर्माण का कार्य छीन लिया है, ठीक वैसे ही जैसे किसी बच्चे से उसकी कैंडी छीन ली हो।

हॉलीवुड स्टार जॉन सीना भी हैं शाहरुख के दीवाने

लॉस एंजिलस। शाहरुख खान बॉलीवुड के ही नहीं बल्कि हॉलीवुड के दिलों के भी बादशाह हैं। ये तो सब जानते हैं कि शाहरुख खान के फैंस दुनियाभर के हर एक कोने में मौजूद हैं। लेकिन जब आप ये सुनेंगे कि एक हॉलीवुड स्टार भी बादशाह खान का फैन है तो आप जरुर हैरान होंगे। हम जिस हॉलीवुड स्टार की बात कर रहे हैं वो हैं जॉन सीना, जो किंग खान के कितने बड़े है ये उन्होंने हाल ही में साबित कर दिया है। यूं तो जॉन को कई दफा बॉलीवुड के बादशाह की तारीफ करते देखा जा चुका है लेकिन अब उन्होंने शाहरुख के लिए जो किया है वो देख आप देखते रह जाएंगे। डब्ल्यूडब्ल्यूई चैंपियन और हॉलीवुड एक्टर जॉन सीना का एक वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह एक कार्यक्रम में शाहरुख का गाना 'भोली सी सूरत' गाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

जुनैद की 'एक दिन' से बॉलीवुड में डेब्यू

मुंबई। आमिर खान के बेटे जुनैद खान अपनी अगली फिल्म 'एक दिन' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का पोस्टर जारी करने के बाद निर्माताओं ने टीजर जारी कर दिया है जो लोगों का ध्यान खींच रहा है। इस फिल्म के जरिए साई बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। फिल्म के टीजर में जुनैद के साथ उनकी केमिस्ट्री शानदार नजर आ रही है। सुनील पांडे द्वारा निर्देशित 'एक दिन' रोमांटिक-ड्रामा फिल्म है जो 1 मई, 2026 को रिलीज होगी। 'एक दिन' के टीजर की शुरुआत दोनों मुख्य कलाकारों से होती है जहां वह खुद को शीशे में निहार रहे हैं। जुनैद कहते हैं, 'तुम्हारी मुस्कुराहट मुझे बहुत अच्छी लगती है मीरा। तुम्हारा दिल जीतूंगा या नहीं ये नहीं पता'। इसके बाद दोनों की खूबसूरत प्रेम दिखती है, लेकिन जल्द उनका ये सपना टूट जाता है।

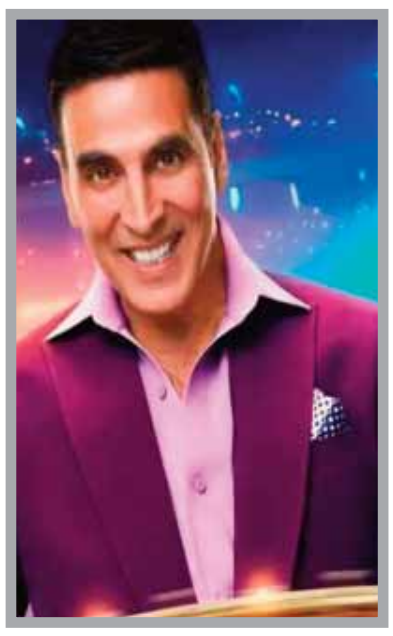

'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' से टीवी पर वापसी

मुंबई। बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' अक्षय कुमार हर साल अपनी फिल्मों से दर्शकों का मनोरंजन करते हैं। इस बार वह टीवी पर भी यह जिम्मेदारी उठाते दिखेंगे क्योंकि उनका नया गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' आ रहा है। काफी समय से चर्चा बटोर रहा यह रियलिटी शो इसी महीने यानी, जनवरी में अपनी स्ट्रीमिंग के लिए तैयार है। निर्माताओं ने शो का प्रोमो और स्ट्रीमिंग तारीख जारी कर दी है। यह क्लासिक शब्द खेल हैंगमैन पर आधारित है। 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के प्रोमो के साथ कैप्शन दिया गया, 'किस्मत आपकी, पैसा चैनल का...और ढेर सारी मस्ती मेरी तरफ से।' अक्षय ने होस्ट की जिम्मेदारी संभाली है जो प्रतियोगियों को पुरस्कार राशि जीतने का मौका देंगे। यह शो 27 जनवरी से सोनी लिव और सोनी टीवी पर रात 9 बजे प्रसारित होगा।

टीवी मसाला

कसम से सीरियल की तीन बहनें अब कैसी दिखती हैं बानी, पिया और रानो

नई दिल्ली। टीवी और बॉलीवुड जगत की मशहूर प्रोड्यूसर एकता कपूर के लोकप्रिय सीरियल 'कसम से' ने अपने रिलीज के 20 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर एकता कपूर ने यादों को ताजा किया जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि यह सीरियल 16 जनवरी 2006 को पहली बार जी टीवी पर प्रसारित किया गया था।

तीन बहनों की थी कसम से की कहानी : टीवी सीरियल की कहानी तीन बहनों- बानी, पिया और रानो के ईर्द-गिर्द घूमती है, जिनके जीवन में जय वालिया के आने से कई बदलाव आते हैं और उनकी आपसी बॉन्डिंग व रिश्तों की कसौटी को दिखाया गया था। इसमें प्राची देसाई ने बानी का किरदार निभाया था, जबकि राम कपूर ने जय वालिया का किरदार निभाया था। दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री दर्शकों को काफी पसंद आई थी।

ये अभिनेत्रियां बनीं थीं तीन बहनें : इस सीरियल में राम कपूर और प्राची देसाई (बानी) के अलावा, रोशनी चोपड़ा (पिया), अरुनिमा शर्मा (बानो) जया भट्टाचार्य, और अश्विनी कलसेकर (जिज्ञासा) जैसे कलाकार भी शामिल थे। यह सीरियल साल 2009 तक प्रसारित हुआ था। एकता कपूर ने इसे बालाजी टेलीफिल्म्स के बैनर तले रिलीज किया था।

शो से बॉलीवुड पहुंचे बानी और राम: यह शो जी टीवी पर काफी सफल रहा और इसने मुख्य किरदार प्राची देसाई को अच्छी पहचान दिलाई थी, बल्कि राम कपूर को भी घर-घर में मशहूर किया था। इस शो के बाद राम कपूर 'बड़े अच्छे लगते हैं' और प्राची देसाई ने बॉलीवुड फिल्मों जैसे 'रॉक ऑन' से अपनी पहचान बनाई। वहीं राम कपूर ने कई बॉलीवुड फिल्मों में काम कर अपनी अलग पहचान बना ली है।

तलाक के बाद माही विज ने छोड़ा सहर होने को है सीरियल

नई दिल्ली। टीवी की स्टार एक्ट्रेस माही विज एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में वह टीवी के पॉपुलर एक्टर और पूर्व पति जय भानुशाली संग तलाक की खबरों से खूब चर्चा में रही थीं। अब उनके चर्चा में आने की वजह है कि वह टीवी शो 'सहर होने को है' को बहुत जल्द छोड़ सकती हैं। इस बीच यह भी कहा जा रहा है कि वह एक नए रियलिटी शो में हिस्सा ले सकती हैं, जो बहुत जल्द ऑन एयर होने वाला है। माही का नाम इस शो से तब से जुड़ रहा है, जब से वह एंडेमोल के ऑफिस पर स्पॉट हुई हैं। फिलहाल एक्ट्रेस ने अपनी इस विजिट और नए शो में जाने की अटकलों पर चुप्पी साधी हुई है। वहीं, इस नए रियलिटी शो के मेकर्स और चैनल की तरफ से भी कोई बयान नहीं आया है। चलिए जानते हैं किस नए शो में माही विज एंट्री लेने जा रही है।

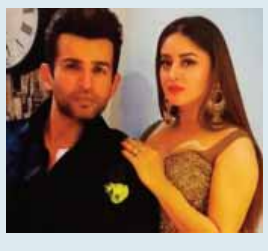

'हैप्पी पटेल' पड़ी 'राहु केतु' पर भारी बॉक्स ऑफिस पर वीर दास ने मारी बाजी

मुंबई। बॉक्स ऑफिस पर जब 2 कॉमेडी फिल्में आपस में टकराती हैं तो मुकाबला हमेशा दिलचस्प होता है। इस शुक्रवार आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी वीर दास अभिनीत 'हैप्पी पटेल' और वरुण शर्मा-पुलकित सम्राट की जोड़ी वाली 'राहु केतु' के बीच जबरदस्त भिड़ंत देखने को मिली। हालांकि, वीर दास की अतरंगी कॉमेडी के आगे 'फुकरे' वाले वरुण शर्मा और पुलकित सम्राट की फिल्म 'राहु केतु' बेअसर साबित हुई है।

'राहु केतु' को पीछे छोड़ आगे निकली 'हैप्पी पटेल'

रिपोर्ट के मुताबिक, इस टक्कर में पहले दिन टिकट खिड़की पर 'हैप्पी पटेल' ने हल्की बढ़त बना ली है। इसने देशभर में करीब 1.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। दूसरी ओर 'राहु केतु' भी कमाई के मामले में पीछे नहीं रही और फिल्म ने पहले दिन लगभग 1 करोड़ रुपये जुटाए। हालांकि, दोनों फिल्मों की कमाई में ज्यादा बड़ा अंतर नहीं है, जिससे आने वाले दिनों में बॉक्स ऑफिस पर मुकाबला और रोमांचक होने की उम्मीद जताई जा रही है।

क्या है 'हैप्पी पटेल' की कहानी?

आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी 'हैप्पी पटेल' अपनी अतरंगी कहानी और वीर दास की जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग की वजह से चर्चा में है। ये एक स्पाय-कॉमेडी फिल्म है। ये ऐसे शख्स की कहानी दिखाती है, जो गलती से जासूसी की दुनिया में फंस जाता है। इस फिल्म में शारिब हाशमी, मोना सिंह, मिलिथा पालकर और इमरान खान भी हैं, वहीं आमिर ने कैमियो किया है। खास बात है कि फिल्म का निर्देशन भी वीर दास ने ही किया है।

'मर्दानी 3' सेंसर बोर्ड से पास, शिवानी का अब तक का सबसे लंबा मिशन...

मुंबई। रानी मुखर्जी एक बार फिर 'शिवानी शिवाजी रॉय' के कड़क अंदाज में बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मर्दानी 3' ने सेंसर बोर्ड की बाधा पार कर ली है और इसे यू/ए 16+ सर्टिफिकेट के साथ हरी झंडी मिल गई है। दिलचस्प बात है कि ये फिल्म न केवल अपने एक्शन और विषय के कारण चर्चा में है, बल्कि ये इस पूरी फ्रेंचाइजी की सबसे लंबी फिल्म भी बन गई है।

बच्चे अकेले नहीं देख पाएंगे फिल्म : सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने 'मर्दानी 3' को देखने के बाद इसे यू/ए 16+ सर्टिफिकेट दिया है। इसका मतलब है कि 16 साल से कम उम्र के बच्चे इस फिल्म को अकेले नहीं देख पाएंगे। अगर वो ये फिल्म देखना चाहते हैं तो उन्हें माता-पिता या किसी बड़े के साथ ही सिनेमाघर जाना होगा। फिल्म में दिखाए जाने वाले डार्क विषय और गंभीर एक्शन को देखते हुए यह रेटिंग दी गई है।

इतनी लंबी होगी 'मर्दानी 3'

'मर्दानी' सीरीज अपनी तेज रफ्तार और सटीक कहानी के लिए जानी जाती है, लेकिन इस बार दर्शकों को शिवानी शिवाजी रॉय को पहले से कहीं ज्यादा समय तक बड़े पर्दे पर देखने का मौका मिलेगा। 'मर्दानी 3' का कुल रनटाइम 2 घंटे, 10 मिनट और 36 सेकंड है, जिससे यह फ्रेंचाइजी की अब तक की सबसे लंबी फिल्म बन गई है। 'मर्दानी' का रनटाइम 1 घंटा 53 मिनट था, जबकि 'मर्दानी 2' की अवधि सिर्फ 1 घंटा 45 मिनट रही।

सबसे बड़ा रनटाइम और सबसे पेचीदा मिशन

'मर्दानी 3' पहली फिल्म से लगभग 17 मिनट और दूसरी फिल्म से करीब 25 मिनट ज्यादा लंबी है। फिल्म का इतना लंबा रनटाइम ये संकेत देता है कि इस बार कहानी का दायरा बड़ा है और शिवानी शिवाजी रॉय का सामना जिस दुश्मन से है, वो काफी पेचीदा और खतरनाक होने वाला है। ये शिवानी शिवाजी रॉय का अब तक का सबसे लंबा मिशन होगा।

इस साल इन फिल्मों का दर्शकों को है बेसब्री से इंतजार

'किंग' का राज और 'जन नायकन' की दहाड़

मुंबई। तैयार हो जाइए, क्योंकि भारतीय सिनेमा में बड़ा धमाका होने वाला है। 2026 की शुरुआत के साथ ही आईएमडीबी यानी इंटरनेट मूवी डाटोबेस ने इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों की सूची जारी की है। एक तरफ शाहरुख खान का 'किंग' अवतार सिनेमाघरों में धमाल मचाने को तैयार है तो दूसरी तरफ थलापति विजय की आखिरी फिल्म की 'दहाड़' से पूरा बॉक्स ऑफिस थर्राने वाला है। आइए जानें इस साल दर्शकों को बॉलीवुड और साउथ की किन फिल्मों का इंतजार है।

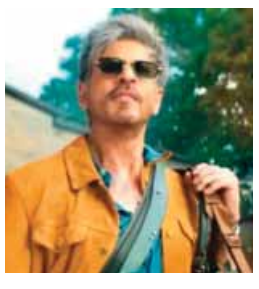

'किंग': आईएमडीबी की बहुप्रतिक्षित फिल्मों की सूची में 'किंग' पहले स्थान पर विराजमान है, जिससे ये साफ है कि शाहरुख का जादू आज भी दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है। 'पठान' और 'जवान' के बाद प्रशंसकों को उनके एक और खतरनाक एक्शन अवतार का इंतजार है, जो इस फिल्म के साथ खत्म होने वाला है। फिल्म में शाहरुख एक गैंगस्टर के रोल में नजर आएंगे। इसके जरिए वो पहली बार अपनी बेटी सुहाना खान के साथ स्क्रीन साझा करते दिखेंगे।

'रामायण': 'किंग' के बाद जिस फिल्म ने सबसे ज्यादा हलचल मचाई है, वो है नितेश तिवारी की महागाथा 'रामायण पार्ट 1'। आईएमडीबी की सूची में इसे दूसरा स्थान मिलना यह दर्शाता है कि दर्शक भारतीय संस्कृति और आधुनिक सिनेमा के इस मिलन को देखने के लिए कितने उत्साहित हैं। रणबीर कपूर की 'रामायण' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा का अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट मानी जा रहा है। साई पल्लवी इसके जरिए बॉलीवुड में कदम रख रही हैं।

'जन नायकन और 'स्पिरिट': सूची में तीसरे नंबर पर काबिज है थलापति विजय की फिल्म 'जन नायकन', जो उनकी आखिरी फिल्म है। इसके बाद विजय पूरी तरह राजनीति में कदम रखेंगे, जिसके कारण उनके लाखों फैंस इस फिल्म को ऐतिहासिक बनाने के लिए बेताब हैं। उधर चौथे स्थान पर अपनी जगह पक्की है प्रभास की फिल्म 'स्पिरिट' ने। फिल्म में प्रभास पुलिस अफसर के किरदार में दिखेंगे। ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एनिमल' वाले संदीप रेड्डी वांगा ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है।

'टॉक्सिक' और 'बैटल ऑफ गलवान': 'केजीएफ 2' के बाद दर्शक जिस चेहरे को देखने के लिए तरस रहे थे, वो अब 'टॉक्सिक' के साथ लौट रहा है। आईएमडीबी की सूची में यश की इस फिल्म ने पांचवें पायदान पर कब्जा किया है। फिल्म में यश के साथ कियारा आडवाणी नयनतारा, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी भी हैं। छठे स्थान पर सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' है, जिसमें वो एक जांबाज आर्मी ऑफिसर के किरदार में देश के हीरो की कहानी पर्दे पर उतारेंगे।

ये फिल्में भी हैं सूची में शामिल : सूची में 7वें स्थान पर आलिया भट्ट की अल्फा और 8वें नंबर पर रणवीर सिंह की सबसे बड़ी फिल्म 'धुरंधर' का सीक्वल 'धुरंधर 2' है। 9वें स्थान पर सनी देओल की 'बॉर्डर 2' है तो 10 नंबर पर तमिल फिल्म 'लव इंश्योरेंस कंपनी' है।